Sri C.V.[illegible] Rao,
Asst.Commissioner of Income-tax.

आई० टी० एन० एस०-65
I. T. N. S.-65

आयकर विभाग
INCOME-TAX DEPARTMENT

1. निर्धारिती का नाम / Name of assessee: M/s.[illegible] Associates,

2. पता / Address: 5-4-187/3 & 4, M.G.Road, Secunderabad.

3. स्था० ले० सं०/सा० सू० र० सं० / P.A.N./G.I.R. No. M-303

4. जिला/वार्ड/सर्कल / District/Ward/Circle: ACIT(Inv)4(1), Hyd.

5. हैसियत / Status: AOP(Trust)

(क) यदि हि० अ० कु० है तो क्या कर की उच्च दर लागू होती है ?
(a) If HUF, is higher rate of tax applicable ?

(ख) यदि कम्पनी है तो
(b) If company, whether

(i) देशी/अन्य / Domestic/Others

(ii) जनता का पर्याप्त रूप से हितबद्ध/जनता का पर्याप्त रूप से हितबद्ध नहीं / Public substantially interested/Public not substantially interested.

(iii) औद्योगिक/गैर औद्योगिक / Industrial/Non-industrial

(iv) धारा 108/धारा 108 से भिन्न / Section 108/other than section 108

6. निर्धारण वर्ष / Assessment year: 1995-96

7. क्या निवासी/निवासी किन्तु मामुली तौर पर निवासी नहीं/अनिवासी / Whether Resident/Resident but not Ordinarily resident/Non-resident.

8. लेखा विधि / Method of accounting

9. पूर्व वर्ष / Previous year: 31-3-1995

10. कारबार/कारबारों की प्रकृति / Nature of Business(es).

11. सुनवाई की तारीख/तारीखें / Date(s) of hearing: 2-1-97, 30-1-97, 11-2-97

12. आदेश की तारीख / Date of order: 11-2-1997

13. किस धारा तथा उपधारा के अधीन निर्धारण किया गया / Section and sub-section under which the assessment is made. 143(3)

निर्धारण आदेश
ASSESSMENT ORDER

The assessee is a A.O.P.(Trust). It filed a return of income admitting a total income of Rs.2,14,740/- as per the revised return filed on 4-3-96. The assessee filed a original return on 13-8-95, admitting an income of Rs.7,800/-. In the original return, a total unabsorbed losses of earlier years of Rs.[illegible] were sought to be set off against the current income of [illegible]. Later on, the assessee filed a revised return on [illegible] the following incomes were disclosed for the AY 1995-96 :

Income from House Property	..	Rs.2,14,736
Income from Business	..	Rs. 16,[illegible]
Grand total income	..	Rs.2,31,[illegible]

MGIPBP Bhav—68/25 GIFS/85-86—1,00,00,000 Copies.

..2..

The amount of Rs.2,31,559/- is the same as shown in the original return. However, in the revised return, the assessee set off unabsorbed losses of previous years, amounting to only, Rs.16823. Thus, returning the net income of Rs.2,14,740/-. The assessee also sought to be carried forward to the future asst.years' unabsorbed losses of Rs.3,01,318/-.

The case was taken up for scrutiny and the assessee's Authorised Representative, Sri Ajay Mehata, CA, appeared from time to time. After perusal of the statements accompanying the return, the details called for and examined during the course of hearing. Income returned by the assessee is accepted u/s.143(3) of the I.T.Act. The total income is computed as under:

COMPUTATION :

Income from House Property(as returned)	..	Rs.2,14,736
Income from Business (as returned)	..	Rs. 16,823
Gross total income	..	Rs.2,31,559
Less: Unabsorbed losses of previous year 90-91 to the extent of business income available	..	Rs. 16,823
Taxable income	..	Rs.2,14,736 or Rs.2,14,740

Unabsorbed lossed to be carried forward to the next year :

Asst.year	Rs.
1990-91	1,02,753
1991-92	1,54,420
1993-94	32,160
Total	3,01,318

Tax on Rs.2,14,740 : Rs 85,896

234 B 18,898

C 3,706

1,08,500

140A 1,08,500

Bal nil

(C.V.SURYAPRAKASH RAO)
Asst.Commissioner of Income-tax,
Company Circle 3(2), Hyderabad

Copy to the assessee.

(नियम 15 देखिए) (*See Rule 15*) आई० टी० एस०-7/I.T.S-7

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 156 के अधीन मांग की सूचना
Notice of Demand under Section 156 of the Income Tax Act, 1961

प्रास्थिति
Status ......AOP......

जी० आई० आर० सं०
G.I.R. No......M. 303

सेवा में
To

M & M ...... Associates
...5-4-187/3&4.
M. G. Road ...... Secunderabad

आपको सूचित किया जाता है कि निर्धारण वर्ष .... के लिए आपके द्वारा संदेय .... रुपये की राशि, जिसके ब्यौरे पीछे दिए गए हैं, अवधारित की गई है।

This is to give you notice that for the assessment year..1995-96..a sum of Rs.....Nil details of which are given on the reverse has been determined to be payable by you.

2. इस रकम का संदाय इस सूचना की तारीख से 35/............ दिनों के अंदर .... स्थित खजाना अधिकारी/उप-खजाना अधिकारी/अभिकर्ता, भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक को किया जाना चाहिए। उपर्युक्त राशि के संदाय के लिए 35 दिन से कम की अवधि अनुज्ञात करने के लिए आय-कर उपायुक्त का पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। संदाय के प्रयोजन के लिए एक चालान संलग्न है।

The amount should be paid to the Treasury Officer/Sub-Treasury Officer/Agent, State Bank of India/Reserve Bank of India at..................................within 35/.................. days of the service of this notice. The previous approval of the Deputy Commissioner of ~~Income-tax~~ has been obtained for allowing a period of less than 35 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.

3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर रकम का संदाय नहीं करते तो आप उपर्युक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रारम्भ होने वाली तारीख से बारह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज का संदाय धारा 220(2) के अनुसार करने के दायी होंगे।

If you do not pay the amount within the period specified above, you will be liable to pay simple interest at twelve per cent per annum from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with Section 220(2).

4. यदि आय-कर की रकम का संदाय ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर नहीं करते तो धारा 221 के अनुसार आपको सुनवाई युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात्, आप पर (उतनी शास्ति जो बकाया कर की रकम के बराबर हो सकेगी) अधिरोपित की जा सकेगी।

If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with Section 221.

5. यदि आप कर की रकम का संदाय ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर नहीं करते तो उसकी वसूली के लिए आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 222 से 229, 231 और 232 के अनुसार कार्यवाहियां की जाएंगी।

If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with Sections 222 to 229, 231 and 232 of the Income-tax Act, 1961.

6. यह निर्धारण आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 143(1) के अधीन पूरा हो गया है। यदि आप इस निर्धारण के बारे में आक्षेप करते हैं तो आप निर्धारण के बारे में आक्षेप करने के लिए, प्रारूप सं० 6-क में, इस मांग की सूचना की तामील की तारीख से एक मास के अन्दर मुझको आवेदन कर सकते हैं।

The assessment has been completed under Section 143(1) of the Income-tax Act, 1961. In case you object to the assessmnet, you may apply to me in Form No. 6-A objecting to the assessment, within one month from the date of service of this notice of demand.

7. चूंकि आप धारा 139(2) के अधीन आय की विवरणी देने में असफल रहे हैं और आपने धारा 139(4) या धारा 139(5) के अधीन विवरणी या पुनरीक्षित विवरणी नहीं दी/आप धारा 142(1) के अधीन जारी की गई सूचना का अनुपालन करने में असफल रहे हैं/आप धारा 143(2) के अधीन जारी की गई सूचना का अनुपालन करने में असफल रहे हैं, इसलिए यह निर्धारण आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 144 के अधीन किया गया है। किन्तु यदि आप धारा 139(2) के अधीन विवरणी देने से पर्याप्त हेतुक के कारण से निवारित हो गए थे या आपको धारा 142(1) या धारा 143(2) के अधीन जारी की गई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी या आपको धारा 142(1) या धारा 143(2) के अधीन जारी की गई सूचना

के निबन्धनों का अनुपालन करने के लिए युक्तियुक्त अवसर प्राप्त नहीं हुआ था या आप उनका अनुपालन करने से पर्याप्त हेतुक के कारण निवारित हो गए थे तो आप धारा 146 के अधीन इस निर्धारण को रद्द करने के लिए और नए सिरे से निर्धारण करने के लिए कार्यवाही करने के लिए इस सूचना की तामील की तारीख की एक मास के अन्दर मुझको आवेदन कर सकते हैं।

The assessment has been made under Section 144 of the Income Tax Act, 1961, because you failed to make the return of income under Section 139(2) and did not make a return or a revised return under Section 139(4) or Section 139(5)/comply with a notice issued under Section 142(1)/comply with a notice issued under Section 143(2). However, if you were prevented by sufficient cause from making the return under Section 139(2) or did not receive the notice issued under Section 142(1) or Section 143(2) or did not have a reasonable opportunity to comply, or were prevented by sufficient cause from complying, with the terms of a notice issued under Section 142(1) or Section 143(2), you may apply to me, within one month from the date of service of this notice under Section 146, to cancel the assessment and procced to make a fresh assessment.

8. यदि आप इस निर्धारण/जुर्माने/शास्ति धारा 216 के अधीन संदेय ब्याज के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप आय-कर अधिनियम, 1961 के अध्याय 20 के भाग-क के अधीन अपील, प्रारूप सं० 35 में, जो उस प्रारूप में यथा अधिकथित सम्यक् रूप से स्टाम्पित और सत्यापित हो, आय-कर आयुक्त (अपील)/आयकर उपायुक्त (अपील) .... को इस सूचना की प्राप्ति से तीस दिन के अन्दर, पेश कर सकते हैं।

If you intend to appeal against the assessment/fine/penalty/interest payable under Section 216 you may present an appeal under Part A of Chapter XX of the Income Tax Act, 1961, to the Commissioner of Income-tax (Appeals)/Deputy Commissioner of Income-tax (Appeals)...... ....III, Hyd.........within thirty days of the receipt of this notice, in Form No. 35, duly stamped and verified as laid down in that form.

9. यह रकम आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा .... के अधीन आय-कर आयुक्त (अपील)/आय-कर उपायुक्त (अपील)/आय-कर उपायुक्त (निरीक्षण)/आय-कर आयुक्त .... के आदेश के परिणामस्वरूप देय हुई है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के भाग-ख के अधीन अपील, प्रारूप सं० 36 में जो उस प्रारूप में यथा अधिकथित सम्यक् रूप से स्टाम्पित और सत्यापित हो, आय-कर अपील अधिकरण .... को इस आदेश की प्राप्ति से साठ दिन के अन्दर, पेश कर सकते हैं।

The amount has become due as a result of the order of Commissioner of Income-tax (Appeals)/Deputy Commissioner of Income-tax (Appeals)/Deputy Commissioner of Income-tax/Commissioner of Income-tax......................under Section.......................... of the Income-Tax Act, 1961. If you intend to appeal against the aforesaid order you may present an appeal under Part B of Chapter XX of the said Act to the Income Tax Appellate Tribunal............ ....within sixty days of the receipt of that order, in Form No. 36, duly stamped and verified as laid down in that form.

तारीख
Dated 11-2-97

स्थान
Place Hyderabad.

निर्धारण अधिकारी
Assessing Officer
(C.V. SURYA PRAKASH RAO),
पता
Address Asst. Commissioner of Incometax,
Investigation Circle 4 (1),
HYDERABAD.

टिप्पणियां/*Notes*:—

(1) अनुपयुक्त पैरे और शब्दों को काट दीजिए।
Delete inappropriate paragraphs and words.

(2) यदि आप रकम का संदाय चैक द्वारा करना चाहते हैं तो चैक, खजाना अधिकारी/उप-खजाना अधिकारी/अभिकर्ता, भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक के नाम लिखा जाना चाहिए।
If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Treasury Officer/Sub-Treasury Officer/Agent, State Bank of India/Reserve Bank of India.

(3) यदि आप रकम के संदाय के लिए समय का विस्तार करना चाहते हैं या किस्तों में संदाय करने की प्रस्थापना करते हैं तो यथास्थिति, ऐसे विस्तारण या किस्तों में संदाय करने की अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए आवेदन, पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान से पूर्व आय-कर अधिकारी को करना चाहिए। उक्त अवधि के अवसान के पश्चात् प्राप्त हुए किसी निवेदन को, धारा 220(3) के विनिर्दिष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए, ग्रहण नहीं किया जाएगा।
If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension, or as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Income-tax Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of Section 220(3).

392/DIP&P/ND/94 - 37,26,000 Copies —March '95— MGITBPChdg.

Annexure V

Income-tax Officer, Ward/Assistant Commissioner of Income-tax, Circle......

Income Tax Department

INTIMATION UNDER SECTION 143 (1) (a) OF THE I.T. ACT, 1961

P.A.N. GIR NO. M-303

NAME M/s M&M. Associates,

ADDRESS 5-4-187/384

M.G. Rd, Sec'bad

A.O. Code

Asst. Year 1995-96

Status AOP (Trust)

Due Date of Return 31.8.95

Return filed on 30.8.95

Ack. No.

D & CR No.

Dear Sir/Madam,

Please refer to your Return of Income for the above Assessment Year. The total income tax and interest payable thereon/refund due to you and the interest thereon have been determined in accordance with section 143 (1) (a) of the I.T. Act, 1961, as under :

INCOME	Rs.
Returned total income ~~loss~~	7580
Adjustment U/s 143 (1) (a)	NIL
TORAL INCOME/~~LOSS/ after~~ adjustment U/s 143 (1) (a)	7580
Net Agl. Income	—
Other income included for Rate purposes	
Components of Total income Chargeable at Spl. rate of tax	

Section	Amount Rs.	Rate

TAXES	Rs.
Tax on total income	3032
Less Rebate U/s 88	—
Surcharge	—
U/s 89 (1)	—
Addl. tax U/s 143 (1) (a)	
TOTAL TAX	3032
INTEREST	—
U/s 234A	
U/s 234B	303
U/s 234C	165
Total tax and interest payable	3500
LESS : Prepaid Taxes	3500
Amount payable/Refundable	NIL
Interest payable to Assessee	NIL
TOTAL	NIL
Net payable/Refundable	NIL

Prepaid Taxes :	
TDS & Tax Collected at Source	
Advance Tax	NIL
Self Asst. Tax & Int	
Total Prepaid Taxes	

Date 5/2/96

Place : Hyd'bad

Signature, Name & Designation of the Assessing Officer

(C.V. SURYA PRAKASH RAO),
Asst. Commissioner of Incometax,
Investigation Circle 4 (1),
HYDERABAD.

NOTE

1. In case you are not satisfied with additions / disallowances made, you may move an application before your Assessing Officer U/s 154.
2. This intimation is deemed to be a notice of Demand U/s 156 in terms of Sec. 143 (1) (a) of the I.T. Act 1961. The amount is required to be paid within 30 days of the service of this intimation.
3. If you do not pay the amount within the period specified above :
   a) You shall be liable to pay simple interest U/s 220 (2) of the I.T. Act at 18% for every month or part of month of default.
   b) A penalty may be imposed U/s 221 of the I.T. Act which may be as much as the amount of tax in arrears.
   c) Proc...